इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *156

7 मार्च, 2013 को उत्तर के लिए

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

*156 श्री तपन कुमार सेन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मैसर्स फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, जो केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र का एक उपक्रम है, की स्थापना कब, किसकी पहल से और किस उद्देश्य से की गई थी;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र का यह उक्त उपक्रम राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, दुर्गापुर आदि में स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के संयंत्रों के परिसर में ही काम कर रहा है और यह उपक्रम उक्त संस्थान के अनिवार्य अंग के रूप में उसे सौंपे गए कार्यों का निष्पादन कर रहा है;

(ग) क्या फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के आरंभ होने के बाद से इस कंपनी को यह काम नामांकन के आधार पर प्रदान किया गया है;

(घ) क्या इस परिपाटी में परिवर्तन कर इसे प्रतिस्पर्धात्मक बोली के आधार पर किए जाने पर विचार किया जा रहा है;

(ङ) यदि हां, तो इस परिपाटी में परिवर्तन के क्या कारण है;

(च) क्या इससे कंपनी रूग्ण हो जाएगी; और

(छ) यदि हां, तो इस कंपनी को बचाने हेतु क्या-क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री बेनी प्रसाद वर्मा)**

(क) से (छ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

****

"फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड" के बारे में श्री तपन कुमार सेन, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 07.03.2013 को पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *156 के भाग (क) से (छ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): मैसर्स हेकेट इंजीनियरिंग कंपनी, यूएसए वर्ष 1957 से इस्पात संयंत्रों में मेटल स्क्रैप रिकवरी के कार्य को कर रहा है। वर्ष 1974 में विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम लागू होने के बाद भारत सरकार द्वारा सेल की तत्कालीन एक सहायक कंपनी मेटल स्क्रैप ट्रेड कार्पोरेशन (एमएसटीसी) लिमिटेड, के माध्यम से 60 प्रतिशत शेयरों का अधिग्रहण करके और शेष 40 प्रतिशत हिस्सेदारी हार्सको कार्पोरेशन, यूएसए के पास धारित रखते हुए वर्ष 1979 में फैरो स्क्रैप निगम निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) को निगमित किया गया था। बाद में, वर्ष 1982 में एमएसटीसी को सेल के नियंत्रण से हटा दिया गया और इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन एक स्वतंत्र कंपनी बनाया गया। जून, 2002 में एमएसटीसी ने हार्सको कार्पोरेशन, यूएसए से शेष 40 प्रतिशत शेयरों का अधिग्रहण किया और इस प्रकार, एफएसएनएल एमएसटीसी लिमिटेड की एक पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी बन गई। एफएसएनएल स्लैग प्रोसेसिंग, मेटल स्क्रैप रिकवरी इत्यादि से संबंधित अपने कार्यों के निष्पादन के लिए सेल के राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, दुर्गापुर स्थित संयंत्रों के परिसरों और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, विशाखापत्तनम (आरआईएनएल) के परिसर में कार्य कर रहा है।

(ग) से (छ): एफएसएनएल अपने कारोबार के लिए सेल इस्पात संयंत्रों और आरआईएनएल पर पूर्ण रूप से निर्भर है। इसलिए, सेल और आरआईएनएल को होने वाली व्यापार हानि से एफएसएनएल की व्यवहार्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, जब तक कि वह अपने ग्राहक आधार में शीघ्र ही विविधता नहीं लाती है। पारस्परिक सुविधा के आधार पर सेल और आरआईएनएल आरंभ से ही नामांकन आधार पर एफएसएनएल को कार्य का ठेका देते रहे हैं तथा यह परिपाटी अभी जारी है। आरआईएनएल दिनांक एफएसएनएल के साथ की गई कार्य संविदा का पहले ही 31.10.2014 तक नवीनीकरण कर चुका है। सेल भी एफएसएनएल के साथ की गई अपनी संविदा का आवधिक आधार पर नवीनीकरण करता है। इसी बीच, कार्यों के विस्तार के भाग के रूप में एफएसएनएल ने भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) हरिद्वार और रेल व्हील फैक्ट्री, बंगलूरू में अपनी यूनिटें आरंभ की हैं।

****